

Ann Nduku ✎  
Wiehan de Jager 📧  
Nandani 🗣️  
hindi 🗣️  
niva 3 📖



मुग्गी और चीन

Barnebøker for Norge

[barnebok.no](http://barnebok.no)



Skrevet av: Ann Nduku  
Illustrert av: Wiehan de Jager  
Oversatt av: Nandani

Denne fortellingen kommer fra African Storybook ([africanstorybook.org](http://africanstorybook.org)) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge ([barnebok.no](http://barnebok.no)), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons Navngivelse 3.0 Internasjonal Lisens. <https://creativecommons.org/licenses/by/3.0/deed.no>



एक समय की बात है, मुर्गी और चील दोनों दोस्त थे। वे सभी पंछियों के साथ शांति से रहती थी। उनमें से कोई उड़ नहीं सकता था।



जब चील के पंखों की छाया जमीन पर पड़ता, मुर्गी अपने चूजों को चेतावनी देती। “इस खाली और सूखे जमीन से बाहर जाओ।” और वह उत्तर देते: “हम मूर्ख नहीं हैं। हम दौड़ सकते हैं।”





एक अच्छी नींद के बाद, मुर्गी के पास एक अच्छा उपाय था। उसने सभी पंखियों के गिरे हुए पंखों को इकट्ठा करना शुरू किया। “चलो इन सब पंखों को अपने पंखों के ऊपर सिले,” उसने कहा। “शायद यह सफर को आसान कर दे।”



“मुझे सिर्फ एक दिन दो,” मुर्गी ने चील से प्रार्थना की। “तब तुम अपने पंखों को जोड़ सकोगी और फिर से खाने की तलाश में दूर तक जा सकोगी।” “सिर्फ एक दिन और,” चील बोली। “यदि तुमने सुई को नहीं ढूंढ़ा, तो तुम अपना एक चूड़ा मुझे दोगी मूल्य के रूप में।”

बच्चों के लिए खाना बनाने।

अलमारी पर रख दिया और रसोईघर में चली गईं अपने मांगा लेकिन जल्द ही वह सिलने से थक गई। उसने सूई को का जोड़ा बनाया और मूर्गी से ऊपर उड़ गयी। मूर्गी ने सूई उसने पहले सिलना शुरू किया। उसने अपने से सुंदर पंखों चील पर गाँव में अकेली ऐसी थी जिसके पास सूई थी, तो

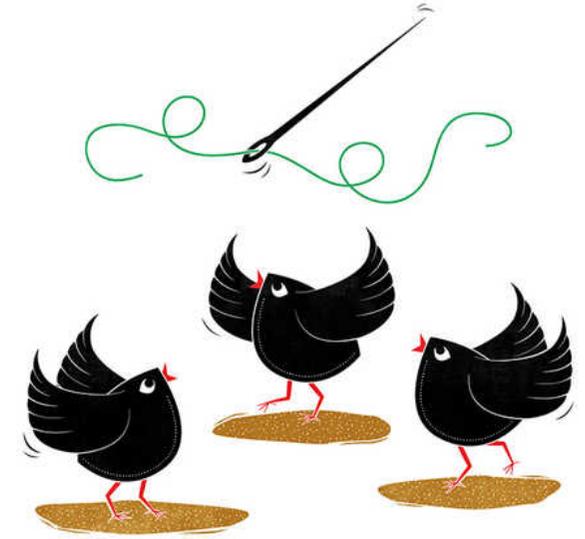


बाद में उस दीपक पर मैं, चील लौटी। उसने सूई के लिये पूछा उन पंखों को जोड़ने के लिए जो सफर के दौरान हीले ही गए थे। मूर्गी ने अलमारी के ऊपर देखा। उसने रसोईघर में देखा। उसने आँगन में देखा। लेकिन सूई कहीं नहीं मिली।





लेकिन दूसरे पंछियों ने चील को उड़ते हुए देख लिया। उन्होंने मुर्गी से उन्हें सुई देने को कहा ताकि वे अपने लिए भी पंख बना ले। जल्द ही वहाँ पर पूरे आकाश में पंछी उड़ने लगे।



जब आखरी पंछी लिया हुआ सुई लौटने आई, मुर्गी वहाँ नहीं थी। तो उसके बच्चों ने सुई ले ली और उससे खेलना शुरू कर दिया। जब वे खेल कर थक गए, उन्होंने सुई को रेत में छोड़ दिया।